भारतीय वानिकी अनुसंधान
एवं शिक्षा परिषद्

वानिकी समाचार

मई 2021 वर्ष 13 सं. 5

अनुक्रमणिका

	पृष्ठ सं.
भारत का अमृत महोत्सव	01
महत्त्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष	01
परामर्श	02
बैठकें	02
प्रशिक्षण कार्यक्रम	02
विविध	02
मानव संसाधन समाचार	03

भारत का अमृत महोत्सव

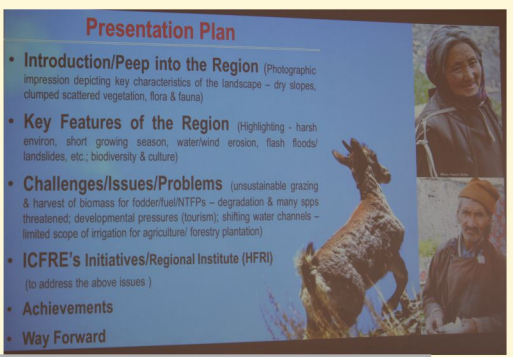

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला में "भारत का अमृत महोत्सव" समारोह

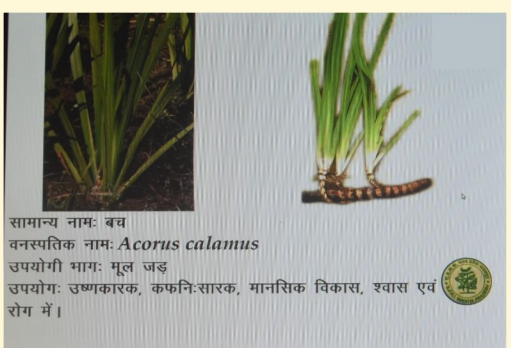

उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर में "भारत का अमृत महोत्सव" समारोह का आयोजन

भारत सरकार की पहल "भारत का अमृत महोत्सव" मनाया गयाः

- हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, शिमला ने "शीत मरुस्थलीय क्षेत्र का संरक्षण एवं जलवायु परिवर्तन" विषय के अंतर्गत 7 मई 2021 को एक वेबिनार संचालित किया। वैज्ञानिकों, अधिकारियों, तकनीकी कर्मचारियों, क्षेत्र कर्मचारियों एवं शोधार्थियों सहित 70 से अधिक प्रतिभागियों ने आभासी संचार के माध्यम से भाग लिया।
- वन उत्पादकता संस्थान, राँची ने "भारत में कृंतकीय वानिकी का विकास" विषय पर 18 मई 2021 को आभासी रूप से एक वेबिनार का आयोजन किया। वैज्ञानिकों, प्रशासनिक अधिकारियों, तकनीकी अधिकारियों एवं कर्मचारियों, शोधार्थियों सहित 64 प्रतिभागियों ने भाग लिया।
- उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान, जबलपुर ने "अकाष्ठ वन उत्पादों का अविनाशी विदोहन, प्रसंस्करण एवं विपणन" पर 21 मई 2021 को एक वेबिनार का आयोजन किया। वैज्ञानिकों, तकनीकी अधिकारियों एवं कर्मचारियों, शोधार्थियों तथा किसानों सहित 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

महत्त्वपूर्ण अनुसंधान निष्कर्ष

वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून

- भीमल रेशा के कुछ रासायनिक गुणों के निर्धारण के लिए, भीमल रेशा के विभिन्न प्रतिदर्शों का प्रसंस्करण प्रगति पर है: NaOH, कंट्रोल एवं NaOH + अमोनियम ऑक्सालेट उपचारित भीमल रेशा से सेल्यूलोज अंश का निर्धारण पूरा हो गया है। यूरिया, थियोरिया, गाय के गोबर, कंट्रोल, NaOH + अमोनियम ऑक्सालेट और NaOH से उपचारित भीमल रेशों के लिए नमी और राख की मात्रा निर्धारित की गई है।
- उत्तराखंड के तितली वन प्रकार डेटाबेस के लिए प्रारूप विकसित किया गया। "उत्तराखंड में विभिन्न वन प्रकारों/उप–प्रकारों से संबंधित तितलियाँ" परियोजना के अंतर्गत *पैपिलियोनाइडी* परिवार से 31 प्रजातियों के आंकडों को डेटाबेस में अद्यतन किया गया।

- *थियोकोलैक्स एलिगन्स्* परजीव्याभों के प्रतिदर्श एकत्रित किए गए और प्रयोगशाला स्थितियों में उनका पालन–पोषण किया गया। प्रयोगशाला में सामूहिक पालन संवर्धन का अनुरक्षण किया गया। वन अनुसंधान संस्थान परिसर से मीलिया प्रजा. के बीज, और पर्ण पिटिका एकत्रित किए गए। "कुछ चुनिंदा परजीव्याभ की जैव–प्रभावकारिता पर विशेष जोर देने के साथ उत्तरी भारत के *टेरोमेलिड* परजीव्याभों (*हाइमेनोप्टेराः टेरोमेलिडी*) का विविधता अध्ययन" परियोजना के अन्तर्गत टेरोमेलिडी की छह प्रजातियों का उपचार किया गया और ड्राई माउंटेड एवं सूक्ष्मदर्शीय चित्रण किया गया।

- प्रयोगशाला में निर्गमित हॉप्लो भृंग के तीन जोड़ों को उनके संवर्धन और जैविक जानकारी अभिलिखित करने के लिए पोषी परिसर में रखा गया। "साल अंतःकाष्ठ वेधक *होप्लोसेरेम्बिक्स स्पिनिकोर्निस न्यूमैन* (कोलोप्टेराः सेरेम्बिसिडी) के प्रबंधन के लिए सेमियो–रसायन पर अध्ययन" परियोजना के अंतर्गत राज्य वन विभाग, तिमली से विदोहित गए संक्रमित वृक्षों से एकत्रित किए गए 5 वयस्क भृंगों को अवलोकन के लिए प्रयोगशाला में लाया गया।

- तीन पादप प्रजातियों के सगंध तैल निष्कर्षण के लिए पादप अंश एकत्रित किए गए। "जैवपीड़कनाशी का उपयोग करते हुए पोपलर के कीट पीड़क प्रबंधन" परियोजना के अंतर्गत क्षेत्रों से *क्लोस्टेरा* प्रजा. की आबादी एकत्रित की गई और प्रयोगशाला में जैव–उत्पाद का जैव–प्रभाविकता प्रारंभिक परीक्षण किया गया।

- "उत्तरी भारत के शिवालिक परिदृश्य में हेटरोसेरा (पतंगे) की प्रजातीय विविधता का आकलन और एक डेटाबेस का विकास" परियोजना के अंतर्गत शिवालिक के पतंगों के आंकड़ों को अद्यतन किया गया और कुंजी की मदद से पतंगों की पहचान की गई।

- देहरादून और उसके आसपास के विभिन्न स्थलों पर क्षेत्र सर्वेक्षण और साल पुष्पक्रम का संग्रह किया गया। "साल बीज वेधक की जैव पारिस्थितिकी एवं प्रबंधन– *डाइकोक्रोसिस लेप्टालिस हैम्प.* (लेपिडोप्टेराः पाइरेलिडी)" परियोजना के अंतर्गत प्रयोगशाला की स्थिति में पालन–पोषण जारी है।

- "कांजीलाल की चकराता, देहरादून और सहारनपुर वन प्रभाग, उत्तर प्रदेश की वन वनस्पतियों का संशोधन" परियोजना के अंतर्गत 25 प्रजातियों का नामकरण अद्यतन और विवरण पूरा किया गया।

- "संरक्षण एवं संवहनीय उपयोजन के लिए ओस्मास्टन के कुमाऊं की वन वनस्पतियों का संशोधन" परियोजना के अंतर्गत 30 प्रजातियों का नामकरण अद्यतन और विवरण को पूरा किया गया।

- "उत्तराखंड के घास स्थल प्रकार का अभिलक्षण और पारिस्थितिकी–वितरण अध्ययन" परियोजना के अंतर्गत 10 घास प्रजातियों की पहचान की गई।

- "उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में वनाग्नि के कारण वास्तविक अर्थों में प्रति हेक्टेयर आधार पर आर्थिक नुकसान का अनुमान" परियोजना के अंतर्गत क्षेत्र से एकत्रित किए गए फाइटोसोशोलॉजिकल आंकड़ों का विश्लेषण किया गया।

परामर्श

- वर्तमान में 09 परामर्श परियोजनाओं पर कार्य चल रहा है। इस महीने के दौरान निष्पादित उपलब्धियाँ एवं कार्य निम्नलिखित हैं:

1. छत्तीसगढ़ राज्य के सरगुजा जिले में तारा, पारसा, पारसा पूर्व और कांटा बसन, और केंटे विस्तार कोयला ब्लॉक सहित पूरे हसदेव अरंड कोयला क्षेत्र के जैव विविधता मूल्यांकन अध्ययन पर मसौदा प्रतिवेदन तैयार करने के लिए संकलन कार्य किया गया।
2. विभिन्न राज्यों में एनटीपीसी लिमिटेड के त्वरित वनरोपण कार्यक्रम के अंतर्गत एनटीपीसी रोपण के वार्षिक (वर्ष 2020–21) अनुश्रवण पर मसौदा प्रतिवेदन तैयार करने के लिए संकलन कार्य किया गया।
3. एनसीएल की चयनित ओपन कास्ट खदानों के ईए–ईपीआईआर पर कार्य किया गया।

बैठकें

विषय	अवधि	लाभार्थी
काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू		
का.वि.प्रौ.सं. में प्रौद्योगिकी प्रदर्शन केंद्र की स्थापना	11 मई 2021	का.वि.प्रौ.सं. एवं आई.पी.आई.आर.टी.आई के अधिकारी

प्रशिक्षण कार्यक्रम

विषय	अवधि	लाभार्थी
काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, बेंगलुरू		
काष्ठ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी	21 से 24 मई 2021	तमिलनाडू वन अकादमी, कोयंबत्तूर के 2020–2022 समूह के वन रेंज अधिकारी

विविध

संस्थान	विशेष दिवस / विषय	अवधि
भा.वा.अ.शि.प. एवं इसके संस्थान	अंतरराष्ट्रीय जैवविविधता दिवस – 2021	22 मई 2021
व.अ.सं., देहरादून	श्री रास बिहारी बोस की 135वीं जन्म वर्षगांठ	25 मई 2021

व.व.अ.सं., जोरहाट ने अंतर्राष्ट्रीय जैवविविधता दिवस – 2021 मनाया

व.अ.सं., देहरादून ने श्री रास बिहारी बोस की 135वीं जन्म वर्षगांठ मनाई

मानव संसाधन समाचार

संप्रत्यावर्तन

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री ई. विक्रम, भा.व.से. (हि.प्र.:2005), भा.वा.अ.शि.प.	27.05.2021

सेवानिवृत्ति

अधिकारी का नाम	तिथि
श्री अत्तर सिंह, स.मु.त.अ., व.अ.सं., देहरादून	31.05.2021

सरंक्षकः

श्री अरूण सिंह रावत, महानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प., देहरादून

संपादक मंडलः

डॉ. सुधीर कुमार, उप महानिदेशक (विस्तार), अध्यक्ष

डॉ. गीता जोशी, सहायक महानिदेशक (मीडिया एवं विस्तार), मानद सम्पादक

श्री रमाकान्त मिश्र, मुख्य तकनीकी अधिकारी, (मीडिया एवं विस्तार), सदस्य

प्रत्याख्यान

- केवल निजी रूप से प्रसारण करने हेतु।
- वानिकी समाचार में, प्रकाशित सामग्री, संपादक मंडल के विचारों को अनिवार्यतः प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।
- यहाँ प्रकाशित सूचना के लिए किसी भी प्रकार के नुकसान की भरपाई के लिए भा.वा.अ.शि.प. उत्तरदायी नहीं होगा।